

उत्तराखण्ड का मौसम: लुढ़का पारा, पहाड़ी जन जीवन स्थगति

चर्चा में क्यों?

उत्तराखण्ड के कुछ हिस्सों में बर्फबारी और वर्षा हुई, जिससे मौजूदा शुष्क दौर से राहत मिली और पूरे क्षेत्र में तापमान में गिरावट आई।

- बादल छाये रहने के कारण मसूरी और इसके आसपास के क्षेत्रों में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि हुई।

मुख्य बूटि:

- **भारत मौसम वजिज्ञान वभिाग के** देहरादून स्थित क्षेत्रीय मौसम वजिज्ञान केंद्र के अनुसार, गढ़वाल हिमालय के ऊपरी इलाकों जैसे [केदारनाथ](#), [बद्रीनाथ](#), [गंगोत्री](#), [यमुनोत्री](#) और [हरषलि](#) में पर्याप्त बर्फबारी हुई।
- तलहटी में हल्की वर्षा हुई है जिससे दनि के तापमान में **गरिावट आई है**।

भारत मौसम वजिज्ञान वभिाग (IMD)

- IMD की स्थापना वर्ष 1875 में हुई थी। यह देश की राष्ट्रीय मौसम वजिज्ञान सेवा है और मौसम वजिज्ञान एवं संबद्ध वषियों से संबंधित सभी मामलों में प्रमुख सरकारी एजेंसी है।
 - यह भारत सरकार के पृथ्वी वजिज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी के रूप में कार्य करती है।
- इसका मुख्यालय नई दलिली में है।
- IMD [वशिाव मौसम वजिज्ञान संगठन](#) के छह क्षेत्रीय वशिषिट मौसम वजिज्ञान केंद्रों में से एक है।
- **यमुनोत्री धाम:**
 - स्थान: ज़िला उत्तरकाशी
 - समर्पति: देवी यमुना
 - गंगा नदी के बाद [यमुना नदी](#) भारत की दूसरी सबसे पवित्र नदी है।
- **गंगोत्री धाम:**
 - स्थान: ज़िला उत्तरकाशी
 - समर्पति: देवी गंगा
 - [गंगा नदी](#) सभी भारतीय नदियों में सबसे पवित्र मानी जाती है।
- **केदारनाथ धाम:**
 - स्थान: ज़िला रुद्रप्रयाग
 - समर्पति: भगवान शवि
 - [मंदाकनी नदी](#) के तट पर स्थित है।
 - भारत में [12 ज्योतिरलिगिों](#) (भगवान शवि के दविय प्रतनिधित्व) में से एक।
- **बद्रीनाथ धाम:**
 - स्थान: ज़िला चमोली
 - पवित्र [बद्रीनारायण मंदिर](#)
 - समर्पति: भगवान वषिणु
 - वैषणवों के पवित्र तीरथस्थलों में से एक।

